राजेश जोशी

QSE6EN

राजेश जोशी का जन्म सन् 1946 में मध्य प्रदेश के नरसिंहगढ़ जिले में हुआ । उन्होंने शिक्षा पूरी करने के बाद पत्रकारिता शुरू की और कुछ सालों तक अध्यापन किया । राजेश जोशी ने कविताओं के अलावा कहानियाँ, नाटक, लेख और टिप्पणियाँ भी लिखीं । साथ ही उन्होंने कुछ नाट्य रूपांतर भी किए हैं । कुछ लघु फिल्मों के लिए पटकथा लेखन का कार्य भी किया । उन्होंने भर्तृहरि की कविताओं की अनुरचना 'भूमि का कल्पतरु यह भी' एवं रूसी कवि मायकोवस्की की कविता का अनुवाद 'पतलून पहिना बादल' नाम से किया है । कई भारतीय भाषाओं के साथ-साथ अंग्रेजी, रूसी और जर्मन में भी राजेश जोशी की कविताओं के अनुवाद प्रकाशित हुए हैं ।

राजेश जोशी के प्रमुख काव्य संग्रह हैं - 'एक दिन बोलेंगे पेड़', 'मिट्टी का चेहरा', 'नेपथ्य में हँसी', 'दो पंक्तियों के बीच' और 'चाँद की वर्तनी' । उन्हें माखनलाल चतुर्वेदी पुरस्कार, मध्यप्रदेश शासन का शिखर सम्मान और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है ।

राजेश जोशी की कविताएँ गहरे सामाजिक अभिप्राय से युक्त होती हैं । वे जीवन के संकट में भी गहरी आस्था को उभारती हैं । उनकी कविताओं में स्थानीय बोली-बानी, मिजाज और मौसम सभी कुछ व्याप्त है । उनके काव्यलोक में आत्मीयता और लयात्मकता है तथा मनुष्य को बचाए रखने का एक निरंतर संघर्ष भी । दुनिया के नष्ट होने का खतरा राजेश जोशी को जितना प्रबल दिखाई देता है, उतना ही वे जीवन की संभावनाओं की खोज के लिए बेचैन दिखाई देते हैं ।

प्रस्तुत कविता हमारी शासन व्यवस्था यानी कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका तीनों पर करारा चोट करती है । यहाँ का शासक वर्ग जल्दी में है, लेकिन उसकी जल्दी दायित्व निर्वाह के लिए नहीं है । वह तो सब कुछ रौंदकर आगे निकलने की जल्दी में है । ऐसे में कवि बच्चे को रुकने के लिए कहता है, क्योंकि बच्चा जो हमारा भविष्य है वह कहीं इनकी अंधी रफ्तार में दब-कुचल न जाए । प्रतीकार्थ यह कि बच्चे रुककर, सँभलकर, सोच-विचार कर आगे बढ़ें और शासन तथा व्यवस्था की अंधी-दौड़ का हिस्सा न बनें ।

रुको बच्चो

रुको बच्चो रुको
सड़क पार करने से पहले रुको

तेज रफ्तार से जाती इन गाड़ियों को गुजर जाने दो

वो जो सर्र....से जाती सफेद कार में गया
उस अफसर को कहीं पहुँचने की कोई जल्दी नहीं है
वो बारह या कभी कभी तो इसके भी बाद पहुँचता है अपने विभाग में
दिन महीने और कभी कभी तो बरसों लग जाते हैं
उसकी टेबिल पर रखी जरूरी फाइल को खिसकने में

रुको बच्चो !
उस न्यायाधीश की कार को निकल जाने दो
कौन पूछ सकता है उससे कि तुम जो चलते हो इतनी तेज कार में
कितने मुकदमे लंबित हैं तुम्हारी अदालत में कितने साल से
कहने को कहा जाता है कि न्याय में देरी न्याय की अवहेलना है
लेकिन नारा लगाने या सेमीनारों में
बोलने के लिए होते हैं ऐसे वाक्य
कई बार तो पेशी दर पेशी चक्कर पर चक्कर काटते
ऊपर की अदालत तक पहुँच जाता है आदमी
और नहीं हो पाता है इनकी अदालत का फैसला

रुको बच्चो, सड़क पार करने से पहले रुको
उस पुलिस अफसर की बात तो बिलकुल मत करो
वो पैदल चले या कार में
तेज चाल से चलना उसके प्रशिक्षण का हिस्सा है
यह और बात है कि जहाँ घटना घटती है
वहाँ पहुँचता है वो सबसे बाद में

रुको बच्चो रुको
साइरन बजाती इस गाड़ी के पीछे पीछे
बहुत तेज गति से आ रही होगी किसी मंत्री की कार
नहीं नहीं उसे कहीं पहुँचने की कोई जल्दी नहीं
उसे तो अपनी तोंद के साथ कुर्सी से उठने में लग जाते हैं कई मिनिट
उसकी गाड़ी तो एक भय में भागी जाती है इतनी तेज
सुरक्षा को एक अंधी रफ्तार की दरकार है
रुको बच्चो
इन्हें गुजर जाने दो ।

इन्हें जल्दी जाना है
क्योंकि इन्हें कहीं नहीं पहुँचना है ।

अभ्यास

कविता के साथ

1. कविता की पहली दो पंक्तियों को पढ़ने तथा विचार करने से आपके मन-मस्तिष्क में जो चित्र उभरता है, उसे व्यक्त कीजिए ।
2. 'उस अफसर को कहीं पहुँचने की कोई जल्दी नहीं है / वो बारह या कभी कभी तो इसके भी बाद पहुँचता है अपने विभाग में' – कवि यह कहकर व्यवस्था की किन खामियों को बताना चाहता है ?
3. न्याय-व्यवस्था पर कवि के द्वारा की गई टिप्पणी पर आपकी प्रतिक्रिया क्या है ? लिखें ।
4. तेज चाल से चलना किसके प्रशिक्षण का हिस्सा है और क्यों ?
5. मंत्री की कार के आगे-आगे साइरन क्यों बजाया जाता है ?

6. व्याख्या करें –
   (क) 'सुरक्षा को एक अंधी रफ्तार की दरकार है'
   (ख) 'कई बार तो पेशी दर पेशी चक्कर पर चक्कर काटते / ऊपर की अदालत तक पहुँच जाता है आदमी'
7. 'लेकिन नारा लगाने या सेमिनारों में / बोलने के लिए होते हैं ऐसे वाक्य' - कौन-से वाक्य ? उदाहरण देकर बतलाइए ।
8. घटनास्थल पर बाद में कौन पहुँचता है और क्यों ?
9. तेज रफ्तार से जानेवालों पर कवि की क्या टिप्पणी है ?
10. कविता में बच्चों को किस बात की सीख दी गई है और क्यों ?

कविता के आस-पास

1. राजेश जोशी एक श्रेष्ठ समकालीन कवि हैं । प्रस्तुत कविता उनके संकलन 'दो पंक्तियों के बीच' से ली गई है । इसके अतिरिक्त उनके अनेक संकलन हैं । उनकी कविता पुस्तकें पुस्तकालय से उपलब्ध कर बच्चों से संबंधित कविताएँ एकत्र करें और उनका पाठ करें ।
2. राजेश जोशी ने कहानियाँ और नाटक भी लिखे हैं । उनकी कोई कहानी खोजकर विद्यालय की गोष्ठी में उसका पाठ करें ।
3. जीवन में काम ओनवाली लोकहित की नैतिकता का स्वर राजेश जोशी की कविता का प्रधान स्वर है । वे बचपन में पढ़ते हुए डॉक्टर बनना चाहते थे, ताकि रोगों का इलाज कर सकें और लोगों को स्वस्थ बना सकें । यह उद्देश्य बदले हुए रूप में उनकी कविता में आज भी सक्रिय है । पढ़ी गई कविताओं के आधार पर इस पर एक छोटा लेख लिखिए ।

भाषा की बात

1. उद्‌गम की दृष्टि से शब्द-भेद पहचानिए –
   सड़क, रफ्तार, कार, अफसर, बारह, न्यायाधीश, खिसकता, फाइल, नारा, अवहेलना
2. वाक्य-प्रयोग द्वारा लिंग-निर्णय करें –
   न्याय, अदालत, घटना, गाड़ी, भय, सुरक्षा
3. कारक चिह्न स्पष्ट करें –
   (क) बहुत तेज गति से आ रही होगी किसी मंत्री की कार
   (ख) वो पैदल चले या कार में
   (ग) नहीं नहीं उसे कहीं पहुँचने की कोई जल्दी नहीं
   (घ) तेज चाल से चलना उसके प्रशिक्षण का हिस्सा है
   (ङ) कहने को कहा जाता है कि न्याय में देरी न्याय की अवहेलना है
4. पदक्रम व्यवस्थित करें –
   (क) सड़क करने से रुको पहले पार
   (ख) निकल न्यायाधीश उस की जाने कार को दो ।
   (ग) तेज मंत्री किसी की गति बहुत से आ रही होगी कार

(घ) रफ्तार एक को अंधी की दरकार है सुरक्षा

(ङ) नहीं है अफसर कोई कहीं जल्दी की पहुँचने उस को

5. संबंध बताएँ –

(क) रफ्तार	टेबल
विभाग	गाड़ी
फाइल	अफसर
मुकदमा	तेज
गति	अदालत

शब्द निधि

लंबित	:	स्थगित
अदालत	:	कचहरी, न्यायालय
अवहेलना	:	उपेक्षा
सेमिनार	:	संगोष्ठी, किसी विषय पर आयोजित विशेषज्ञों की गोष्ठी
पेशी-दर-पेशी	:	अदालत में बार-बार हाजिर होना
प्रशिक्षण	:	किसी खास पेशे या कार्य में दक्षता के लिए अभ्यास
दरकार	:	अपेक्षा, जरूरत